



जुड़वाँ नाम रिपोर्ट

सोच-समझकर चुने गए दो नाम

इनके लिए विशेष रूप से तैयार

Neha और Amit Patel के जुड़वाँ बच्चे

जन्म

5 अक्टूबर 2026

समय

पूर्वाह्न 8:10 · पूर्वाह्न 8:24

स्थान

Mumbai

पहला जुड़वाँ

पुष्य · 2
हे

दूसरा जुड़वाँ

पुष्य · 2
हे

राशि

कर्क

रिपोर्ट NV-TW-261011-0001 · जारी 11 अक्टूबर 2026

Navnaam ज्योतिष टीम द्वारा तैयार

चंद्रमा कहाँ था

पुष्य को सबसे शुभ नक्षत्रों में गिना जाता है। परंपरा इसे पोषण, भक्ति और ज्ञान से जोड़ती है। पुष्य के बच्चों को प्रायः स्नेही, भरोसेमंद और आदरशील बताया जाता है, जिनमें मदद करने और सीखने की स्वाभाविक इच्छा होती है। इसके देवता बृहस्पति हैं, देवताओं के गुरु, और इसका प्रतीक एक फूल और पोषण देने वाला गाय का थन है। पाद 2 कन्या नवांश में आता है, जिसका स्वामी बुध है; यह सावधान, व्यावहारिक मन और मदद करने की इच्छा जोड़ता है। इस पाद की पारंपरिक नाम-ध्वनि हे है।

कर्क जल तत्व की राशि है, जिसका स्वामी स्वयं चंद्रमा है। परंपरा ऐसे बच्चे का वर्णन करती है जो देखभाल करने वाला, संवेदनशील और घर-परिवार से गहराई से जुड़ा हो। कर्क के बच्चे दयालुता को याद रखते हैं, अपनों की रक्षा करते हैं और आसपास स्नेह व नियमित दिनचर्या हो तो सबसे सुरक्षित महसूस करते हैं।

दोनों जन्म समय एक ही पाद में आते हैं, इसलिए दोनों बच्चों के नाम की ध्वनि एक ही है: हे।

चंद्रमा की स्थिति (निरयण, लाहिड़ी)	कर्क 7° 58'
नक्षत्र · पाद	पुष्य · पाद 2
नक्षत्र स्वामी	शनि
राशि	कर्क
नामाक्षर	हे
लग्न	तुला 10° 8'
वार · तिथि	सोमवार · कृष्ण पक्ष दशमी
योग · करण	शिव · वणिज

उनके अंक और लो शू

मूलांक

5

मूलांक 5 का स्वामी बुध है। परंपरा इसे तेज़ सोच, संवाद और परिस्थिति के अनुसार ढलने की क्षमता से जोड़ती है। इस जन्मांक वाले लोग जिज्ञासु, मिलनसार और शब्दों, अंकों व नई परिस्थितियों में कुशल होते हैं।

भाग्यांक

7

भाग्यांक 7 समझ के जीवन-पथ की ओर संकेत करता है। परंपरा इसे ऐसे व्यक्ति के रूप में पढ़ती है जो अध्ययन, शोध और आंतरिक विकास की ओर खिंचता है, और ऐसे उत्तर खोज लेता है जो दूसरों से छूट जाते हैं।

नमूना रिपोर्ट

लो शू ग्रिड

—	—	22
—	55	7
—	1	6

जन्म तिथि के अंक, मूलांक और भाग्यांक के साथ, लो शू वर्ग में रखे गए हैं। लो शू ग्रिड में अनुपस्थित अंक: 3, 4, 8, 9। पूर्ण रेखाएँ: 2-7-6 कर्म।

2-7-6 कर्म रेखा पूर्ण है। परंपरा इसे ऐसे व्यक्ति के रूप में पढ़ती है जो विचारों को कर्म में बदलता है और करके सीखता है।

2 दो बार आया है। परंपरा इसे संवेदनशीलता और अंतर्ज्ञान के रूप में पढ़ती है, ऐसा व्यक्ति जो आसपास के मूड को भाँप लेता है।

3 अनुपस्थित है। परंपरा में यह कल्पना और सीखने के आत्मविश्वास से जुड़ा है। कहानियाँ, कला और प्रयास की सराहना मदद करती हैं, और 3 नामांक वाला नाम यह कमी भर सकता है।

4 अनुपस्थित है। परंपरा में यह व्यवस्था और व्यावहारिक संगठन से जुड़ा है। सरल दिनचर्या और छोटी ज़िम्मेदारियाँ मदद करती हैं, और 4 नामांक वाला नाम यह कमी भर सकता है।

5 दो बार आया है। परंपरा इसे भरपूर ऊर्जा, आत्मविश्वास और लगन के रूप में पढ़ती है।

8 अनुपस्थित है। परंपरा में यह संसाधनों को सँभालने और बारीकियों पर ध्यान से जुड़ा है। बचत और योजना बनाना सीखना मदद करता है; कभी-कभी 8 नामांक वाला नाम लिया जाता है, हालाँकि कई परिवार नामांक 8 से बचते हैं।

9 अनुपस्थित है। परंपरा में यह ऊर्जा, साहस और दूसरों की परवाह से जुड़ा है। खेलकूद और सेवा के काम मदद करते हैं, और 9 नामांक वाला नाम यह कमी भर सकता है।

परिवार जुड़वाँ बच्चों के नाम कैसे रखते हैं

जुड़वाँ बच्चों के नाम प्रायः जोड़ी के रूप में रखे जाते हैं, ताकि साथ में अच्छे लगें और फिर भी हर नाम अपने आप में पूरा हो। परिवार आम तौर पर चार में से एक शैली चुनते हैं: तुकबंदी वाले नाम, जुड़े अर्थ वाले नाम, महाकाव्यों की किसी प्रसिद्ध जोड़ी के नाम, या बस दो ऐसे नाम जो उन्हें प्रिय हों।

तुकबंदी या मिलती-जुलती ध्वनि वाली जोड़ियाँ, जैसे अंकित और अंकिता या आरव और आरुष, एक साथ पुकारने में आसान और चंचल लगती हैं। परंपरा मानती है कि हर नाम का अपना अच्छा अर्थ भी होना चाहिए।

अर्थ वाली जोड़ियाँ, जैसे आकाश और अवनि (पृथ्वी), साथ मिलकर एक छोटी कहानी कहती हैं। ये उन परिवारों को खास पसंद आती हैं जो चाहते हैं कि जोड़ी जुड़ी हुई लगे पर एक जैसी न सुनाई दे।

पौराणिक जोड़ियाँ महाकाव्यों से आती हैं: लव और कुश, श्रीराम के पुत्र; नकुल और सहदेव, पांडवों में जुड़वाँ भाई; राम और लक्ष्मण। इनके साथ एक कहानी जुड़ी होती है जिसे परिवार बरसों तक सुना सकता है।

जब जुड़वाँ बच्चे कुछ ही मिनटों के अंतर पर जन्म लेते हैं, तो चंद्रमा शायद ही पाद बदलता है, इसलिए दोनों की नाम-ध्वनि प्रायः एक ही होती है। यदि जन्मों के बीच चंद्रमा नए पाद में चला जाए, तो हर बच्चे की अपनी ध्वनि होती है और जोड़ी दोनों ध्वनियों में से चुनी जाती है।

आधी रात के इधर-उधर जन्मे जुड़वाँ बच्चों की जन्म तिथियाँ अलग होती हैं, इसलिए उनके मूलांक और भाग्यांक अलग हो सकते हैं। तब हर नाम उसी बच्चे के अपने अंकों पर जाँचा जाता है।

नमूना रिपोर्ट

साथ में अच्छी लगने वाली जोड़ियाँ

हर जोड़ी में दोनों बच्चों की नाम-ध्वनि के लिए एक-एक नाम है। जिन जोड़ियों का पहला अक्षर, लंबाई या अंतिम तुक मिलता है, वे पहले रखी गई हैं।

पहला जुड़वाँ	दूसरा जुड़वाँ	अनुकूलता
Hemachandra हेमचंद्र स्वर्ण चंद्र; एक महान जैन विद्वान	Hemaprabha हेमप्रभा स्वर्णिम आभा	श्रेष्ठ · श्रेष्ठ
Hemal हेमल स्वर्णिम	Hazel हेज़ल हेज़ल वृक्ष	श्रेष्ठ · श्रेष्ठ
Haider हैदर शेर	Henna हेन्ना मेहंदी; धन्य	श्रेष्ठ · श्रेष्ठ
Hamza हमज़ा बलवान; पैगंबर के चाचा	Hema हेमा सुनहरी	श्रेष्ठ · श्रेष्ठ
Hari हरि विष्णु	Hetvi हेत्वी स्नेह	श्रेष्ठ · श्रेष्ठ
Hemadri हेमाद्री स्वर्ण पर्वत	Hemangi हेमांगी स्वर्ण अंगों वाली	ठीक · श्रेष्ठ
Hemanshu हेमांशु सुनहरी किरण	Haimavati हैमवती हिमालय की पुत्री	श्रेष्ठ · श्रेष्ठ
Hemant हेमंत हेमंत ऋतु	Hetal हेतल मिलनसार।	श्रेष्ठ · श्रेष्ठ

हर बच्चे के लिए और नाम

पहला जुड़वाँ • हे

नाम	अर्थ	पहला नाम	Patel के साथ	अनुकूलता
Haider हैदर	शेर	18 → 9	39 → 3	श्रेष्ठ
Hemanshu हेमांशु	सुनहरी किरण	34 → 7	55 → 1	श्रेष्ठ
Hemant हेमंत	हेमंत ऋतु	24 → 6	45 → 9	श्रेष्ठ
Henry हेनरी	घर का स्वामी	18 → 9	39 → 3	श्रेष्ठ
Hemachandra हेमचंद्र	स्वर्ण चंद्र; एक महान जैन विद्वान	36 → 9	57 → 3	श्रेष्ठ
Hemal हेमल	स्वर्णिम	18 → 9	39 → 3	श्रेष्ठ
Hemraj हेमराज	स्वर्ण का राजा	18 → 9	39 → 3	श्रेष्ठ
Harold हैरोल्ड	सेना का शासक	22 → 4	43 → 7	ठीक
Hemendra हेमेंद्र	स्वर्ण के स्वामी	31 → 4	52 → 7	ठीक
Hemadri हेमाद्रि	स्वर्ण पर्वत	22 → 4	43 → 7	ठीक

दूसरा जुड़वाँ • हे

नाम	अर्थ	पहला नाम	Patel के साथ	अनुकूलता
Henna हेन्ना	मेहंदी; धन्य	21 → 3	42 → 6	श्रेष्ठ
Hazel हेज़ल	हेज़ल वृक्ष	21 → 3	42 → 6	श्रेष्ठ
Hema हेमा	सुनहरी	15 → 6	36 → 9	श्रेष्ठ
Hemangi हेमांगी	स्वर्ण अंगों वाली	24 → 6	45 → 9	श्रेष्ठ
Hetal हेतल	मिलनसार।	18 → 9	39 → 3	श्रेष्ठ
Hetvi हेत्वी	स्नेह	21 → 3	42 → 6	श्रेष्ठ
Haimavati हैमवती	हिमालय की पुत्री	24 → 6	45 → 9	श्रेष्ठ
Haimi हैमी	सुनहरी	12 → 3	33 → 6	श्रेष्ठ
Hemangini हेमांगिनी	स्वर्ण अंगों वाली	30 → 3	51 → 6	श्रेष्ठ
Hemaprabha हेमप्रभा	स्वर्णिम आभा	34 → 7	55 → 1	श्रेष्ठ

कुछ और बातें

अच्छी जुड़वाँ जोड़ी एक साँस में बोली जा सकती है। दोनों नाम साथ बोलकर देखें, जैसे आप हज़ारों बार बोलेंगे, और वह जोड़ी चुनें जो सहज बहती हो।

कई परिवार जुड़वाँ बच्चों का एक ही शुभ दिन संयुक्त नामकरण करते हैं। समारोह का मुहूर्त जन्म के शहर के अनुसार चुना जाता है और दोनों बच्चों का नाम एक साथ रखा जाता है।

अंकशास्त्र में, एक ही दिन जन्मे जुड़वाँ बच्चों के जन्मांक एक जैसे होते हैं, इसलिए जोड़ी काम बाँट सकती है: एक नाम लो शू ग्रिड की एक कमी भर सकता है और दूसरा नाम दूसरी।

बेटा-बेटी जुड़वाँ को प्रायः जुड़े अर्थ वाली जोड़ियाँ या एक ही भाव के पुल्लिंग और स्त्रीलिंग रूप मिलते हैं, जैसे अरुण और अरुणा, दोनों का अर्थ भोर है।

एक ही लिंग के जुड़वाँ को प्रायः किसी प्रसिद्ध जोड़ी के नाम मिलते हैं, या एक ही पहली ध्वनि पर अलग अंत वाले दो नाम, ताकि हर बच्चे की अपनी अलग पहचान बनी रहे।

हर नाम को अपने आप में पूरा रहने दें। जुड़वाँ बच्चे बड़े होकर बहुत अलग व्यक्ति बनते हैं, इसलिए हर नाम दूसरे के बिना भी पूरा और अर्थपूर्ण लगना चाहिए।

नमूना रिपोर्ट

नामकरण मुहूर्त

नामकरण की तिथि और समय के लिए अपनी रिपोर्ट आईडी के साथ support@navnaam.com पर लिखें, हमारे ज्योतिषी उत्तर देंगे।

पारंपरिक रीति। कई परिवार जन्म के 11वें या 12वें दिन, या कुल-पुरोहित द्वारा चुने दिन नामकरण करते हैं। रीति-रिवाज समुदाय और क्षेत्र के अनुसार अलग होते हैं।

नमूना रिपोर्ट

निर्णय से पहले

बोलकर देखें परिवार के उपनाम के साथ, और भाई-बहनों व चचेरे भाई-बहनों के नामों के साथ।

जन्म समय जाँच लें। इस रिपोर्ट के चंद्रमा, पाद और लग्न उसी पर निर्भर हैं।

ज्योतिष और अंकशास्त्र यहाँ परंपरा और मार्गदर्शन के रूप में दिए गए हैं, जैसे परिवार पीढ़ियों से इनका उपयोग करते आए हैं। ये कोई भविष्यवाणी या गारंटी नहीं हैं।

कोई प्रश्न? रिपोर्ट आईडी NV-TW-261011-0001 के साथ support@navnaam.com पर लिखें।

नमूना रिपोर्ट